(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मन्त्री (श्री के० मु० पुनाचा) : (क) जी नहीं ।

(ख) जी हां ।

(ग) और (घ). परिचालनिक कारणों से राया-मुरसान ब्लाक खण्ड पर एक पार स्टेशन खोलने के प्रस्ताव पर विचार हो रहा है। सोनाई स्टेशन पर जो कि राया और मुरसान स्टेशनों के बीच स्थित है, फुटकर सामानों को बुक करने के प्रश्न को पार स्टेशन खोलने के सम्बन्ध में अन्तिम विनिश्चय होने तक स्थगित कर दिया गया है ।

विदेशी फिल्मों का आयात

2066. श्री हरदयाल देवगुण : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विदेशी मुद्रा की गम्भीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार का विचार विदेशी फिल्मों का आयात बन्द करने का है; और

(ख) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मन्त्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) जी, नहीं ।

(ख) ऐसी कार्यवाही से विदेशों को भारतीय फिल्मों के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ।

मशीनी औजार कारखाने

2067. श्री महाराज सिंह भारती : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय ऐसे कितने मशीनी औजार कारखाने हैं जिन्हें कच्चे माल, अर्द्ध निर्मित तथा पुर्जों का आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा की आवश्यकता है;

(ख) प्रति वर्ष कितनी विदेशी मुद्रा की आवश्यकता है; और

(ग) उपर्युक्त कारखानों में से कितने कारखाने निर्यात द्वारा विदेशी मुद्रा अर्जित करते हैं तथा ये कारखाने प्रति वर्ष कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित करते हैं ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मन्त्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) और (ख). 1966-67 में संगठित क्षेत्र में 117 एककों को 8.72 18 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा नियत की गई थी ।

(ग) पांच कारखानों ने अपने उत्पादों का निर्यात किया । 1965-66 तथा 1966-67 में किए गए निर्यात का मूल्य क्रमशः 35.60 लाख तथा 55.07 लाख रुपये था ।

नालीदार चादरें

2068. श्री महाराज सिंह भारती : क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में लेपन (कोटिंग) सम्बन्धी कच्ची सामग्री के पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न होने के कारण मकानों के बनाने में प्रयोग में लाई जाने वाली नालीदार चादरों पर एल्युमिनियम का लेप करने के सम्बन्ध में —क्या जिस विधि को अपनाने का सरकार विचार कर रही थी—क्या निर्णय लिया गया है;

(ख) उपरोक्त चादरें बिक्री के लिये बाजार में कब तक आ जायेंगी; और

(ग) क्या इनके लिये अपेक्षित संयंत्र देश में बनाये जायेंगे अथवा उन्हें बाहर से मंगाना पड़ेगा ?